विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 5, अंक 59 माह - नवंबर, 2023, मूल्य : निःशुल्क

दीपावली -
गोबर से बने दिये जलायें, अपने घर में सुख-समृद्धि लायें

सम्मान -
मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं का हुआ सम्मान

आत्मनिर्भर -
स्वरोजगार स्थापित करने के लिए महिलाओं को जागरूक किया

स्वावलंबी भारत अभियान -
47 केन्द्रों में नौ हजार युवाओं को स्वरोजगार की जानकारी दी गई

दीपावली पर गोबर के दियों से करें घर को रोशन

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
अध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

रानेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

अर्चना रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

दीपावली पर गोबर से बने दिये जलायें, अपने घर में सुख-समृद्धि लायें

कपिल मलैया

प्रिय साथियो,

आप सभी को मेरा नमस्कार एवं अग्रिम रूप से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। आज हमारा देश दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभर रहा है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 18 प्रतिशत और देश के 50% कर्मचारियों को रोजगार प्रदान करता है। अब हमारे लिए और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम अपने देश की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाये रखें। इसके लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है कि हम हमारे दैनिक जीवन की जरूरतों में स्वदेशी वस्तुओं को महत्व दे। दीपावली के त्यौहार पर भारत में चीन के सामानों का अम्बार लगा होता था परन्तु अब सुधार आया है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी "वोकल फॉर लोकल" को बढ़ावा देने कार्य कर रहे है। इस दीपावली अपने घरों को गोबर से दिये एवं अन्य सजावटी सामग्री से सुसज्जित करें। विचार मोहल्ला विकास एवं स्व-सहायता समूह की महिलाएं गोबर के दिये बना रही है। गोबर से बनी सामग्री एक ओर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण की ओर अनूठा उपाय है। 2000 से अधिक प्रयोग करने के बाद आग में न जलने वाले, पानी में 10 घंटे तक न गलने वाले दिये बनने में सफलता पाई । महिलाओं ने पिछले वर्ष 7,00,000 दिए का निर्माण कर 30 लाख से अधिक रोजगार प्राप्त किया। पिछले वर्ष दिये 12 राज्यों तक पहुंचाया गया था। यह दीपक प्राकृतिक तत्वों से बने हैं। प्रदूषण रहित हैं एवं मिट्टी में मिल कर खाद बन जाते हैं। मिट्टी के दियें पक जाने पर 80 वर्ष तक दियों की मिट्टी उपजाऊ नहीं हो पाती। आज हरेक शहर में कचड़े का पहाड़ खड़ा होता जा रहा है उसका एक मात्र विकल्प गोमय उत्पाद है इन दीयों के अतिरिक्त मोमेंटों, घड़ी गोमय माला आदि बहुत आकर्षक कारीगरी के साथ बनाई जा रही है। गोमय दिए एवं अन्य उत्पाद इतने अच्छे हैं कि आप अपने परिजनों को भेंट कर सकते है। ग्राहकों को उपहार स्वरूप भेंट कर सकतें है। आज हम गाय और प्रकृति को भूल गए, प्रकृति को कैसे सुरक्षित रखना यह सब हमारे हाथ में है। केमिकल से बने उत्पादों का लगातार उपयोग से हम विभिन्न प्रकार की बीमारी से जूझ रहे हैं। विचार समिति ऐसे प्राकृतिक उत्पादों को बनाने एवं बढ़ावा देने पर कार्य कर रही है।

समाज के परिवर्तन में महिला शक्ति का महत्वपूर्ण योगदान : कपिल मलैया

विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं का हुआ सम्मान

महिलाओं का सम्मान करते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया।

विचार समिति का लक्ष्य बुदंलेखंड में सुनियोजित विकास करना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार स्थापित कराना है। समाज में परिवर्तन का कार्य महिला शक्ति द्वारा ही संभव है। समाज का जो रूप बनता है वह महिलाओं से बनता है। पुरूष तो आजीविका में जुटे रहते हैं। बच्चों को संस्कार महिलाएं देती हैं। दूसरी बात विचार समिति के आज के कार्यक्रम में समाज के सबसे निम्न तबके व उच्च तबके के व्यक्ति एक साथ एक मंच पर बैठे हैं। कवि भी बैठे हैं, राजनेता, समाजसेवी, प्रमुख व्यापारी, बुजुर्ग भी बैठे हैं, बच्चे भी बैठे हैं, महिलाएं एवं पुरूष भी बैठे हैं। ऐसा मिक्चर सिर्फ विचार मोहल्ला परिवार में ही मिलेगा।

यह बात विचार समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के सम्मान कार्यक्रम में कही। 125 मोहल्ला टीमों के समन्वयक व सहायक ने कपिल मलैया के जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं को सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है। महिलाओं की अधिक भागीदारी से अर्थव्यवस्था, समाज और देश को मजबूती मिलेगी। मध्य प्रदेश में रानी दुर्गावती, रानी कमलापति और अहिल्याबाई होल्कर जैसी महिला नेताओं की समृद्ध परंपरा रही है।

मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने मंच का संचालन करते हुए कहा कि समिति पर्यावरण, शिक्षा,

स्वरोजगार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता आदि क्षेत्रों में सफलता पूर्वक कार्य कर रही है।

शफीक खान ने कहा कि नकारात्मकता को खत्म करने के लिए सकारात्मकता की आवश्यकता होती है। शहर में 11 हजार पौधे का जंगल बनाकर समिति ने यह सिद्ध कर दिया कि वह सकारात्मकता की प्रतीक है।

प्रीति केशरवानी ने कहा कि जब कोई अच्छा कार्य करता है तो उसमें सभी को सहयोग करना चाहिए। विचार समिति जनहित के कार्य करती है इसलिए हम सब को आगे बढ़कर इस पुनीत कार्य में सहयोग करना चाहिए।

पूनम मेवाती ने कहा कि कोरोना काल में समिति के द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के तहत मैंने बच्चों को नि:शुल्क पढ़ाया। समिति के माध्यम से मुझे बहुत कुछ सीखने मिला। जिससे आसपास की महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई की ट्रेनिंग मैं नि:शुल्क दे रही हूं।

प्रभा साहू ने बताया कि समिति द्वारा 15 अगस्त को एक विशाल ध्वजारोहण किया गया था जिससे पूरे प्रदेश में एक नई पहचान मिली। इस कार्यक्रम में ऐसे लोगों का सम्मान किया गया जो कभी मंच तक पहुंच ही नहीं पाए।

सरिता गुरू ने बताया कि जो कार्य जनप्रतिनिधि नहीं करवा पाते वह कार्य विचार समिति के माध्यम से हो जाता है। जैसे किसी को ब्लड की आवश्यकता है तो समिति द्वारा उपलब्ध हो जाता है। दो स्कूलों में भी बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा दी जा रही है।

उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, एड. वीनू राणा, आलोक जैन, ज्योति सराफ, रजनी जैन ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में महेश मलैया, प्रभुदयाल पटैल, शैलेष केशरवानी, सुनील सागर, संगीता मिश्रा, राजकुमार नामदेव, मनोज राय, कवि नलिन जैन, आकाश जैन हार्ड वेयर, विनीत ताले वाले, रामकृष्ण मिश्रा, राकेश बजाज, जय कुमार जैन, संदीप अग्रवाल, सविनय गुप्ता, संदीप जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति उपस्थित थीं।

स्वरोजगार स्थापित करने के लिए इच्छा शक्ति को प्रबल करने की आवश्यकता : सुनीता

विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जागरूक किया

महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जागरूक करते हुए सुनीता अरिहंत।

विचार समिति और क्वेस्ट एलाइंस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के लिए स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि समिति का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि खुद का व्यवसाय करने के लिए हमें इच्छा शक्ति को प्रबल करने की आवश्यकता है। दुनिया का कोई भी काम असंभव नहीं है बस बात इतनी है कि जो काम जितना कठिन होगा उसमें उतनी ही अधिक मेहनत करनी होगी। क्वेस्ट एलाइंस से आनलाइन माध्यम से पल्लवी, अल्पन, रोशनी ने अपने विचार रखते हुए खुशी व्यक्त की कि आपने अपना व्यवसाय शुरू किया है।

प्रभा साहू ने उपस्थित महिलाओं को बताया कि हम पहले सोचते थे कि हम अपना व्यवसाय स्थापित करें लेकिन कैसे करें। जब समिति द्वारा स्वरोजगार की ट्रेनिंग दी गई जिस कारण आज हम ब्यूटी पार्लर सफलता पूर्वक चला रहे हैं।

अनिता चौधरी बुटिक और जनरल स्टोर का व्यवसाय कर रही हैं। उन्होंने बताया कि मैं पढ़ी लिखी नहीं हूं। मेरे घर वाले कहते थे कि तुम नहीं कर पाओगी लेकिन मैं समिति के माध्यम से स्वरोजगार की ट्रेनिंग लेकर आज अपना व्यवसाय चला रही हूं। इस अवसर पर पूजा प्रजापति, उर्मिला अहिरवार, सरिता पटैल, द्रोपती पटैल, रेखा पटैल, मंजू रैकवार, सपना गौंड़, कल्पना पटैल, किरन अहिरवार आदि महिलाएं उपस्थित थीं।

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत 47 केन्द्रों में नौ हजार युवाओं को स्वरोजगार की जानकारी दी गई

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत 21 सितम्बर से 16 अक्टूबर तक उद्यमिता पखवाड़ा अभियान चलाया गया। सागर जिले के महाविद्यालय, विद्यालय, कोचिंग सेंटर, ग्राम सभा हर जिले के 47 केन्द्रो में 9000 से अधिक युवाओं को स्वरोजगार की जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम स्वावलंबी भारत अभियान, स्वदेशी जागरण मंच, विद्या भारती एवं विचार समिति के साथ इनक्यूबेशन सेंटर, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सागर द्वारा संपन्न हुए। 50 सफल उद्यमियों का सम्मान किया गया। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही रोजगार स्थापित करने के लिए योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। स्वावलंबी भारत अभियान प्रांतीय टोली सदस्य कपिल मलैया ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेरोजगारी की समस्या के प्रति दृष्टिकोण कि नौकरी ही रोजगार है, रोजगार देना केवल सरकारों का काम है और हम युवाओं को केवल पढ़ाई-लिखाई करके सरकार से नौकरी मांगनी है (अपने से उद्यमिता आदि हमें नहीं सोचना) ऐसी भ्रमित अवधारणाएं इस समय युवाओं की मन मस्तिष्क में बैठी है, यही वास्तव में भारत की बेरोजगारी का सबसे बड़ा कारण भी है। आज हमें सबसे पहले छोटे-छोटे लघु उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु स्थानीय स्तर पर उत्पादित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद प्रांत सहमंत्री सावंत सिंह ने कहा कि आज भारत युवाओं का देश है। भारत में विश्व के सबसे अधिक युवा जिनकी संख्या 52 करोड़ है।

स्कूलों में छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार की जानकारी दी गई।

आज हमारे पास शासकीय, अर्धशासकीय नौकरी मिलाकर केवल 11% ही है। शेष युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर तैयार करने होंगे। युवाओं को स्वरोजगार के लिए स्टार्ट-अप उद्यमिता को अपनाकर आगे बढ़ना होगा। तभी हम सभी बेरोजगारी की समस्या को मात दे सकते हैं।

जिला रोजगार सृजन केंद्र पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि आज संसाधन, योजनाओ और अवसरों की कमी नहीं है बस सही जानकारी चाहिए और मार्गदर्शन। यह कार्य (स्वावलंबी भारत अभियान) रोजगार सृजन केंद्र करता है। आइये हम सब भारत को स्वावलंबी बनाने के इस व्यापक अभियान का हिस्सा बने।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत के मार्गदर्शन में 5 स्थानों पर मोहल्ला विकास टीम का गठन हुआ

समिति की मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत ग्राम घूघर में नई टीम का गठन किया गया।

विचार समिति की मोहल्ला विकास योजना शहर के अधिकांश हिस्सों को छूती जा रही है इस योजना की लोकप्रियता का बड़ा कारण सामाजिक बुराइयों को सुधारते हुए सामूहिक विकास है, एक ऐसे मानव निर्मित परिवेश को बनाना है जहा सभी आपसी प्रेम-सद्भाव के साथ जीवन यापन करें। योजनाअंर्तगत पिछले माह विठ्ठलनगर, जाट पथरिया, घूघर, गंगामंदिर, पुरानी सदर में मोहल्ला विकास टीमों का गठन किया गया। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत के मार्गदर्शन में सभी सदस्यों ने टीम सदस्यता फॉर्म भरे। इस अवसर पर उन्होंने टीम की जानकारी देते हुए कहा कि 1 समन्वयक 10 पालक तथा 100 परिवार मिलकर 111 परिवार साथ मिलकर मोहल्ला टीम का गठन करते हैं। यह सभी परिवारों में एक दूसरे के साथ मिलकर सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता करते हुए शिक्षा, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, नशा मुक्ति अभियान, प्राकृतिक खेती, पर्यावरण सरक्षण एवं संवर्धन के साथ अपने मोहल्ला परिवार में आपसी सहयोग के साथ कार्य करते हैं।

हमारा लक्ष्य सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना, जीवन में निर्णय विकास की दृष्टि को बढ़ाना, जागरूकता के साथ सभी के जीवन स्तर में सुधार लाना। विठ्ठलनगर टीम समन्वयक मोहनी पटेल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि टीम के साथ जुड़ना, चर्चा करना, आपसी सहयोग करना, निश्चित तौर पर काफी लाभदायक है, जाट पथरिया टीम समन्वयक ममता पटेल ने समिति से जुड़कर अपने मोहल्ले में अपनत्व के साथ कार्य करेंगे सभी महिलाएं बहुत ही उत्साहित हैं, घूघर टीम समन्वयक सुमन पटेल कहा कि विचार की कार्यप्रणाली से हम काफी प्रभावित है समिति जमीनी स्तर के मुद्दों पर कार्य करती है इसके साथ टीम गठन के जरिये नेतृत्व, जिम्मेदारियाँ, परस्पर सहयोग के गुणों का विकास होगा, गंगामंदिर टीम समन्वयक सूरज रैकवार ने कहा आज के समय में जोड़े रखना बड़ा ही चुनौती पूर्ण कार्य है। टीम गठन में 80 से अधिक महिलाये उपस्थित रही। विचार समिति से भाग्यश्री राय, राहुल अहिरवार उपस्थित रहे।

दान उत्सव में बच्चों ने बांटे अन्न, सामग्री, गिफ्ट कार्ड

लीफी एवं विचार समिति द्वारा संचालित स्कूलों के बच्चों ने वृद्धों को अन्न दान किया एवं दूसरे चित्र में बच्चों ने अपने शिक्षक के लिए गिफ्ट कार्ड भेंट किया।

हर साल 2 से 8 अक्टूबर तक मनाया जाने वाला दानउत्सव भारत का सबसे बड़ा दान उत्सव है, जिसके दौरान लोग एक साथ आते हैं और अपना समय, सामग्री या पैसा देकर मदद का कार्य करते हैं। दानउत्सव सभी को प्रेरणा देता है कि आप भी जरूरतमंद लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए अपने आस-पास के लोगों को शामिल कर सकते हैं। शिक्षा परियोजना सहयोगी अभिषेक बताते है कि दान उत्सव बच्चों के मन में मदद का भाव जगाता है। 'जो सुख दूसरों को कुछ देकर उसे खुशी देने में है वो खुद के पाने में नहीं। क्योंकि जब हम किसी को कोई चीज देते है तो सामने वाले के चेहरे पर एक अलग तरह की खुशी के भाव होते हैं। इसलिए लोगों को चाहिए कि वो खुद तो दान करें साथ ही दूसरों को भी इस काम के लिए प्रेरित करें। इससे बच्चों को ड्रेस और बुक बाँटना, डांस की ट्रेनिंग देना, पेंटिंग्स बनाना सिखाना, गांवों में मेडिकल कैम्प लगाना और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना शामिल है।

हर वर्ष महात्मा गाँधी की जयंती से एक सप्ताह तक दान उत्सव का सप्ताह पूरे भारत में मनाया जाता है। वैसे तो दान देने की परंपरा हमारे देश में प्राचीन काल से है, लेकिन इसे एक उत्सव के रूप में 2009 से मनााय गया। युवा शिक्षक प्रियंका कविता ने बताया कि बच्चों ने दो दिन पूर्व ही दान की सामग्री इकट्ठी कर ली। बच्चों ने एक-एक मुट्ठी करके काफी गेहूं, चावल दान रूप में एकत्रित कर लिया। करीब 40 बच्चे ने दान उत्सव में हिस्सा लिया था। बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ जरुरंतमंदों को दान वितरित किया। दान वितरित करते हुए बच्चे एक बूढ़ी दादी से मिलें उनके अनुभव हमारे लिए और बच्चों के लिए काफ़ी रोचक रहे। बच्चों ने दान की सामग्री बूढ़ी दादी को भी भेंट की। बूढ़ी दादी बीच-बीच में बहुत ही भावुक हो जाती, परेशान थी, रोने लगती। बच्चें और हम दादी को इस हालत में देखकर मायूस हो गए। दादी के चेहरे पर एक अलग ही मुस्कान दिखाई दी जो बहुत समय के बाद उनके चेहरे पर आई थी ।

दान उत्सव करके हमे बहुत ही खुशी मिली। युवा शिक्षक राखी ने दान उत्सव के बारे जानकारी देते हुए कहा इस दान उत्सव में बच्चों ने पेड़ लगाए। अन्य सामग्री दान की। बच्चों ने डांस, मेंहदी, कार्ड्स आदि भेंट किये। युवा शिक्षक रितु ने बताया हमारे यहां के सभी बच्चों ने खुद से ही कार्ड बनाये और उन कार्ड्स को कुछ टीचर्स और सभी पेरेंट्स को बांटे जिन पर बच्चों ने दान उत्सव की शुभकामनाये दी। पेंटिंग बनाई थी। युवा शिक्षक शिवानी ने मेरे यहां सभी बच्चों को पेंसिल बांटी जिससे बच्चें बहुत खुश हुए। युवा शिक्षक ज्योति ने कहा कि मेरे यहां भी सभी बच्चें आज के दिन बहुत ही ज्यादा खुश थे, बच्चों में एक उत्साह था कि दान उत्सव में हम टीचर के लिए कार्ड्स तैयार करेंगे। जरूरी नहीं कि आप पैसे से ही किसी की मदद करें, आप बुजुर्गों के साथ समय बिताने, किसी को किताबें, खिलौने और अन्य सामग्री को उन लोगों को दे सकते हैं जो उन्हें खुद ले पानें में समर्थ नहीं हैं। आप इतना कर सकते हैं, तो ये बहुत ही नेक काम है।

20 से अधिक शहरों तक पहुंचाई जाएगी गोमय उत्पाद से निर्मित सामग्री

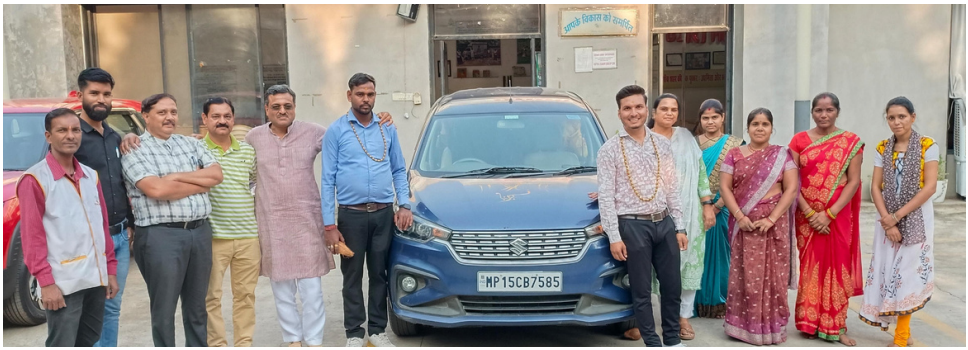

विचार समिति सदस्य नरेन्द्र और अभिषेक गोमय उत्पाद सामग्री अन्य शहरों में पहुंचा रहे हैं।

विचार समिति द्वारा बनाये जा रहे गोमय उत्पाद शहर- शहर भेजें जा रहे है। इस सामग्री में डिजायन दिया बॉक्स वेक्स के साथ, 5 कटोरी दिया, पॉलीथिन पैक दिया, श्री यन्त्र, देशी गाय के गोबर से निर्मित प्राकृतिक धूपबत्ती, गोमय माला, हड़प्पा कालीन सोना मोती गेहूं, जो अन्य अनाज की तुलना में 267 खनिज, 40 प्रतिशत अधिक प्रोटीन,3 गुना अधिक फोलिक एसिड की विशेषताओ के उपलब्ध है।

यह यात्रा मध्यप्रदेश के अधिकांश जिलों तक पहुंच कर स्थानीय दुकानदारों तक गोमय सामग्री की जानकारी पहुचायेगी एवं उनके सुझाव पर ध्यान देगी। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि हम गोबर से ऐसे उत्पादों को बनाने में सफल हुए है जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अब हम गोमय उत्पादों को बनाने में पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर है। गोमय उत्पादों की जानकारी अब सभी के बीच पहुंचनी चाहिए।

विचार समिति
(स्थापना वर्ष 2003)

नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान

पेड़ क्रमांक :-.....

मैं .....

विचार समिति की प्रेरणा से 'नीम लगाओ-पर्यावरण बचाओ अभियान' के तहत एक नीम का पौधा ले रहा हूं।

मैं यह संकल्प लेता हूं कि इस नन्हे से पौधे की देखरेख छोटे बच्चे की तरह करूंगा/करूंगी एवं इसे सुरक्षित रखकर वृक्ष के रूप में विकसित करूंगा/करूंगी। इस तरह सागर शहर व राष्ट्र के पर्यावरण को सुधारने में अपने व अपने परिवार सहित भागीदार बनूंगा/बनूंगी।

दिनांक -

पता - हस्ताक्षर

मो . नंबर -

"सागर सुधार-सागर विकास"

पेड़ की ऊंचाई का सर्वे चार्ट

दिनांक	ऊंचाई
15 मई 2024	

दिनांक	ऊंचाई
15 नवंबर 2024	

दिनांक	ऊंचाई
15 मई 2025	

दिनांक	ऊंचाई
15 नवंबर 2025	

पता : 258/1 मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि. सागर (म.प्र.) 470002 मो . 9575737475, 9893800638, 8818916114

मीडिया कवरेज

समारोह • विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं का हुआ सम्मान

समाज के परिवर्तन में महिला शक्ति का योगदान महत्वपूर्णः कपिल मलैया

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति का लक्ष्य बुंदेलखंड में सुनियोजित विकास करना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार स्थापित कराना है। समाज में परिवर्तन का कार्य महिला शक्ति द्वारा ही संभव है, परिवर्तन में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। समाज का आदर्श स्वरूप महिलाओं से ही बनता है। पुरुष तो आजीविका में जुटे रहते हैं। बच्चों को संस्कार महिलाएं देती हैं।

यह बात विचार समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के सम्मान कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि विचार समिति के आज के कार्यक्रम में समाज के सभी तबके के व्यक्ति एक साथ एक मंच पर बैठे हैं। कवि, राजनेता, समाजसेवी, प्रमुख व्यापारी, बुजुर्ग, बच्चे, महिलाएं एवं पुरुष सभी वर्ग के लोग बैठे हैं। ऐसी समरसता सिर्फ विचार मोहल्ला परिवार में ही मिलेगी। 125 मोहल्ला टीमों के समन्वयक व सहायक ने कपिल मलैया को शुभकामनाएं दीं।

मोहल्ला विकास समिति की महिलाओं को सम्मानित करते अध्यक्ष मलैया।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं को सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है। महिलाओं की अधिक भागीदारी से अर्थव्यवस्था, समाज और देश को मजबूती मिलेगी। मध्य प्रदेश में रानी दुर्गावती, रानी कमलापति और अहिल्याबाई होल्कर जैसी महिला नेताओं की समृद्ध परंपरा रही है।

मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने संचालन करते हुए कहा कि समिति पर्यावरण, शिक्षा, स्वरोजगार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता आदि क्षेत्रों में सफलता पूर्वक कार्य कर रही है।

शफीक खान ने कहा कि शहर में 11 हजार पेड़ लगाकर समिति ने यह सिद्ध कर दिया कि वह सकारात्मकता की प्रतीक है। प्रीति केशरवानी ने कहा कि विचार समिति जनहित के कार्य करती है इसलिए हम सब को आगे बढ़कर इस पुनीत कार्य में सहयोग करना चाहिए। पूनम मेवाती ने कहा कि कोरोना काल में समिति द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के तहत बच्चों को निःशुल्क पढ़ाया। समिति के माध्यम से मुझे बहुत कुछ सीखने मिला। जिससे आसपास की महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई की ट्रेनिंग मैं निःशुल्क दे रही हूं। प्रभा साहू ने बताया कि समिति द्वारा आज ऐसे लोगों का सम्मान किया गया जो कभी मंच तक पहुंच ही नहीं पाए। सरिता गुरू ने कहा जिसको ब्लड की आवश्यकता है तो उसे समिति द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। दो स्कूलों में भी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, एड. वीनू राणा, आलोक जैन, ज्योति सराफ, रजनी जैन ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में महेश मलैया, प्रभुदयाल पटैल, शैलेष केशरवानी, सुनील सागर, संगीता मिश्रा, राजकुमार नामदेव, मनोज राय, कवि नलिन जैन, आकाश जैन हार्ड वेयर, विनीत ताले वाले, रामकृष्ण मिश्रा, राकेश बजाज, जय कुमार जैन, संदीप अग्रवाल, सविनय गुप्ता, संदीप जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति उपस्थित थीं।

समाज के परिवर्तन में महिला शक्ति महत्वपूर्ण : कपिल मलैया

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

विचार समिति का लक्ष्य बुंदेलखंड में सुनियोजित विकास करना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार स्थापित कराना है। समाज में परिवर्तन का कार्य महिला शक्ति द्वारा ही संभव है।

यह बात विचार समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के सम्मान कार्यक्रम में कही। 125 मोहल्ला टीमों के समन्वयक व सहायक ने जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं को सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है। महिलाओं की अधिक भागीदारी से अर्थव्यवस्था, समाज और देश को मजबूती मिलेगी। मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने मंच का संचालन करते हुए कहा समिति पर्यावरण, शिक्षा, स्वरोजगार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य कर रही

है। शफीक खान ने कहा कि नकारात्मकता को खत्म करने के लिए सकारात्मकता की आवश्यकता होती है। शहर में 11 हजार पौधे का जंगल बनाकर समिति ने यह सिद्ध कर दिया कि

विचार समिति ने महिलाओं का सम्मान किया

वह सकारात्मकता की प्रतीक है। पूनम मेवाती ने कहा कि कोरोना काल में समिति के द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के तहत मैंने बच्चों को निःशुल्क पढ़ाया। समिति के माध्यम से मुझे बहुत कुछ सीखने मिला। जिससे आसपास की महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई की ट्रेनिंग मैं निःशुल्क दे रही हूं।

कार्यक्रम को प्रभा साहू, सरिता गुरु, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, एड. वीनू राणा, आलोक जैन, ज्योति सराफ, रजनी जैन ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में महेश मलैया, प्रभुदयाल पटैल, शैलेष केशरवानी, सुनील सागर, संगीता मिश्रा, राजकुमार नामदेव, मनोज राय, कवि नलिन जैन, आकाश जैन हार्ड वेयर, विनीत ताले वाले, रामकृष्ण मिश्रा, राकेश बजाज, जय कुमार जैन, संदीप अग्रवाल, सविनय गुप्ता, संदीप जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति उपस्थित थीं।

राज एक्सप्रेस | खुरई-बंडा-देवरी-रहली-सुरखी

समाज के परिवर्तन में महिला शक्ति महत्वपूर्णः कपिल मलैया

विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं का हुआ सम्मान

सागर। विचार समिति कार्यालय में विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस अवसर विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि विचार समिति का लक्ष्य बुंदेलखंड में सुनियोजित विकास करना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार स्थापित कराना है। समाज में परिवर्तन का कार्य महिला शक्ति द्वारा ही संभव है। समाज का जो रूप बनता है वह महिलाओं से बनता है। पुरुष तो आजीविका में जुटे रहते है। बच्चों को संस्कार महिलाएं देती है। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं को सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है। महिलाओं की अधिक भागीदारी से अर्थव्यवस्था, समाज और देश को मजबूती मिलेगी। मध्य प्रदेश में रानी दुर्गावती, रानी कमलापति और अहिल्याबाई होल्कर जैसी महिला नेताओं की समृद्ध परंपरा रही है। मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने मंच का संचालन करते हुए कहा कि समिति पर्यावरण, शिक्षा, स्वरोजगार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता आदि क्षेत्रों में सफलता पूर्वक कार्य कर रही है।

शफीक खान ने कहा कि नकारात्मकता को खत्म करने के लिए सकारात्मकता की आवश्यकता होती है। शहर में 11 हजार पौधे का जंगल बनाकर समिति ने यह सिद्ध कर दिया कि वह सकारात्मकता की प्रतीक है। कार्यक्रम में प्रीति केशरवानी, पूनम मेवाती, प्रभा साहू, सरिता गुरु, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, एड. वीनू राणा, आलोक जैन, ज्योति सराफ, रजनी जैन ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में महेश मलैया, शैलेष केशरवानी, सुनील सागर, संगीता मिश्रा, राजकुमार नामदेव, मनोज राय, कवि नलिन जैन, रामकृष्ण मिश्रा, राकेश बजाज, जय कुमार जैन, संदीप अग्रवाल, सविनय गुप्ता आदि उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

विचार समिति कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं का हुआ सम्मान

समाज के परिवर्तन में महिला का है अहम योगदान : कपिल

स्वतंत्र समय, सागर

विचार समिति कार्यालय में विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि विचार समिति का लक्ष्य बुंदेलखंड में सुनियोजित विकास करना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार स्थापित कराना है। समाज में परिवर्तन का कार्य महिला शक्ति द्वारा ही संभव है। समाज का जो रूप बनता है वह महिलाओं से बनता है।

पुरुष तो आजीविका में जुटे रहते हैं। बच्चों को संस्कार महिलाएं देती हैं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं को सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है। महिलाओं की अधिक भागीदारी से अर्थव्यवस्था, समाज और देश को मजबूती मिलेगी। मध्य प्रदेश में रानी दुर्गावती, रानी कमलापति और अहिल्याबाई होल्कर जैसी महिला नेताओं की समृद्ध परंपरा रही है। मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने मंच का संचालन करते हुए कहा कि समिति पर्यावरण, शिक्षा, स्वरोजगार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता आदि क्षेत्रों में सफलता पूर्वक कार्य कर रही है।

शफीक खान ने कहा कि नकारात्मकता को खत्म करने के लिए सकारात्मकता की आवश्यकता होती है। शहर में 11 हजार पौधे का जंगल बनाकर समिति ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सकारात्मकता की प्रतीक है। कार्यक्रम में प्रीति केशरवानी, पूनम मेवाती, प्रभा साहू, सरिता गुरू, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, एड. वीनू राणा, आलोक जैन, ज्योति सराफ, रजनी जैन ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में महेश मलैया, शैलेष केशरवानी, सुनील सागर, संगीता मिश्रा, राजकुमार नामदेव, मनोज राय, कवि नलिन जैन, रामकृष्ण मिश्रा, राकेश बजाज, जय कुमार जैन, संदीप आदि मौजूद रहे।

देशबन्धु
18 Oct 2023 - Page 2

समाज के परिवर्तन में महिला शक्ति महत्वपूर्ण: कपिल मलैया

मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं का हुआ सम्मान

सागर, देशबन्धु। विचार समिति का लक्ष्य बुंदेलखंड में सुनियोजित विकास करना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार स्थापित कराना है। समाज में परिवर्तन का कार्य महिला शक्ति द्वारा ही संभव है। समाज का जो रूप बनता है वह महिलाओं से बनता है। पुरुष तो आजीविका में जुटे रहते हैं। बच्चों को संस्कार महिलाएं देती हैं। विचार समिति के आज के कार्यक्रम में समाज के सबसे निम्न तबके व उच्च तबके के व्यक्ति एक साथ एक मंच पर बैठे हैं। कवि भी बैठे हैं, राजनेता, समाजसेवी, प्रमुख व्यापारी, बुजुर्ग भी बैठे हैं, बच्चे भी बैठे हैं, महिलाएं एवं पुरुष भी बैठे हैं। ऐसा मिक्चर सिर्फ विचार मोहल्ला परिवार में ही मिलेगा। यह बात विचार समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के सम्मान कार्यक्रम में कही। 125 मोहल्ला टीमों के समन्वयक व सहायक ने कपिल मलैया के जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं को सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है। महिलाओं की अधिक भागीदारी से अर्थव्यवस्था, समाज और देश को मजबूती मिलेगी। मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने मंच संचालन करते हुए कहा कि समिति पर्यावरण, शिक्षा, स्वरोजगार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता आदि क्षेत्रों में सफलता पूर्वक कार्य कर रही है। शफीक खान ने कहा कि नकारात्मकता को खत्म करने के लिए सकारात्मकता की आवश्यकता होती है। शहर में 11 हजार पौधे का जंगल बनाकर समिति ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सकारात्मकता की प्रतीक है। प्रीति केशरवानी ने कहा कि जब कोई अच्छा कार्य करता है तो उसमें सभी को सहयोग करना चाहिए। विचार समिति जनहित के कार्य करती है इसलिए हम सब को आगे बढ़कर इस पुनीत कार्य में सहयोग करना चाहिए। पूनम मेवाती ने कहा कि कोरोना काल में समिति के द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के तहत मैंने बच्चों को निःशुल्क पढ़ाया। समिति के माध्यम से मुझे बहुत कुछ सीखने मिला। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, एड. वीनू राणा, आलोक जैन, ज्योति सराफ, रजनी जैन आदि ने भी अपने विचार रखे।

दैनिक
परिहार गर्जना

आर.एन.आई. MPHIN /2012/64802
E-Mail-parihargarjana@gmail.com

समाज के परिवर्तन में महिला शक्ति महत्वपूर्ण- कपिल मलैया

विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं का हुआ सम्मान

मुकेश हरयानी

सागर। विचार समिति का लक्ष्य बुंदेलखंड में सुनियोजित विकास करना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार स्थापित कराना है। समाज में परिवर्तन का कार्य महिला शक्ति द्वारा ही संभव है। समाज का जो रूप बनता है वह महिलाओं से बनता है। पुरुष तो आजीविका में जुटे रहते हैं। बच्चों को संस्कार महिलाएं देती हैं। दूसरी बात विचार समिति के आज के कार्यक्रम में समाज के सबसे निम्न तबके व उच्च तबके के व्यक्ति एक साथ एक मंच पर बैठे हैं। कवि भी बैठे हैं, राजनेता, समाजसेवी, प्रमुख व्यापारी, बुजुर्ग भी बैठे हैं, बच्चे भी बैठे हैं, महिलाएं एवं पुरुष भी बैठे हैं। ऐसा मिक्चर सिर्फ विचार मोहल्ला परिवार में ही मिलेगा। यह बात विचार समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के सम्मान कार्यक्रम में कही। 125 मोहल्ला टीमों के समन्वयक व सहायक ने कपिल मलैया के जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं को सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है। महिलाओं की अधिक भागीदारी से अर्थव्यवस्था, समाज और देश को मजबूती मिलेगी। मध्य प्रदेश में रानी दुर्गावती, रानी कमलापति और अहिल्याबाई होल्कर जैसी महिला नेताओं की समृद्ध परंपरा रही है। मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने मंच का संचालन करते हुए कहा कि समिति पर्यावरण, शिक्षा, स्वरोजगार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता आदि क्षेत्रों में सफलता पूर्वक कार्य कर रही है।

शफीक खान ने कहा कि नकारात्मकता को खत्म करने के लिए सकारात्मकता की आवश्यकता होती है। शहर में 11 हजार पौधे का जंगल बनाकर समिति ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सकारात्मकता की प्रतीक है। प्रीति केशरवानी ने कहा कि जब कोई अच्छा कार्य करता है तो उसमें सभी को सहयोग करना चाहिए। विचार समिति जनहित के कार्य करती है इसलिए हम सब को आगे बढ़कर इस पुनीत कार्य में सहयोग करना चाहिए।

पूनम मेवाती ने कहा कि कोरोना काल में समिति के द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के तहत मैंने बच्चों को निशुल्क पढ़ाया। समिति के माध्यम से मुझे बहुत कुछ सीखने मिला। जिससे आसपास की महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई की ट्रेनिंग मैं निशुल्क दे रही हूं। प्रभा साहू ने बताया कि समिति द्वारा 15 अगस्त को एक विशाल ध्वजारोहण किया गया था जिससे पूरे प्रदेश में एक नई पहचान मिली। इस कार्यक्रम में ऐसे लोगों का सम्मान किया गया जो कभी मंच तक पहुंच ही नहीं पाए। सरिता गुरू ने बताया कि जो कार्य जनप्रतिनिधि नहीं करवा पाते वह कार्य विचार समिति के माध्यम से हो जाता है। जैसे किसी को ब्लड की आवश्यकता है तो समिति द्वारा उपलब्ध हो जाता है। दो स्कूलों में भी बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जा रही है। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, एड. वीनू राणा, आलोक जैन, ज्योति सराफ, रजनी जैन ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में महेश मलैया, प्रभुदयाल पटैल, शैलेष केशरवानी, सुनील सागर, संगीता मिश्रा, राजकुमार नामदेव, मनोज राय, कवि नलिन जैन, आकाश जैन हार्ड वेयर, विनीत ताले वाले, रामकृष्ण मिश्रा, राकेश बजाज, जय कुमार जैन, संदीप अग्रवाल, सविनय गुरू, संदीप जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति उपस्थित थीं।

समाज के परिवर्तन में महिला शक्ति महत्वपूर्ण: मलैया

प्रवेश संवाद सागर. विचार समिति का लक्ष्य बुंदेलखंड में सुनियोजित विकास करना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार स्थापित कराना है। समाज में परिवर्तन का कार्य महिला शक्ति द्वारा ही संभव है। समाज का जो रूप बनता है वह महिलाओं से बनता है। पुरूष तो आजीविका में जुटे रहते हैं। बच्चों को संस्कार महिलाएं देती हैं। दूसरी बात विचार

आयोजन

विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं का हुआ सम्मान

समाज के परिवर्तन में महिला शक्ति महत्वपूर्ण: मलैया

सागर, आचरण संवाददाता।

विचार समिति का लक्ष्य बुंदेलखंड में सुनियोजित विकास करना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार स्थापित कराना है। समाज में परिवर्तन का कार्य महिला शक्ति द्वारा ही संभव है। समाज का जो रूप बनता है वह महिलाओं से बनता है। पुरुष तो आजीविका में जुटे रहते हैं। बच्चों को संस्कार महिलाएं देती हैं। दूसरी बात विचार समिति के आज के कार्यक्रम में समाज के सबसे निम्न तबके व उच्च तबके के व्यक्ति एक साथ एक मंच पर बैठे हैं।

कवि भी बैठे हैं, राजनेता, समाजसेवी, प्रमुख व्यापारी, बुजुर्ग भी बैठे हैं, बच्चे भी बैठे हैं, महिलाएं एवं पुरुष भी बैठे हैं। ऐसा मिक्चर सिर्फ विचार मोहल्ला परिवार में ही मिलेगा। यह बात विचार समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के सम्मान कार्यक्रम में कही। 125 मोहल्ला टीमों के समन्वयक व सहायक ने कपिल मलैया को बधाई दी। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं को सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है।

महिलाओं की अधिक भागीदारी से अर्थव्यवस्था, समाज और देश को मजबूती मिलेगी। मध्य प्रदेश में रानी दुर्गावती, रानी कमलापति और अहिल्याबाई होल्कर जैसी महिला नेताओं की समृद्ध परंपरा रही है। मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने मंच का संचालन करते हुए कहा कि समिति पर्यावरण, शिक्षा, स्वरोजगार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता आदि क्षेत्रों में सफलता पूर्वक कार्य कर रही है। शफीक खान ने कहा कि नकारात्मकता को खत्म करने के लिए सकारात्मकता की आवश्यकता होती है। शहर में 11 हजार पौधे का जंगल बनाकर समिति ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सकारात्मकता की प्रतीक है।

प्रीति केशरवानी ने कहा कि जब कोई अच्छा कार्य करता है तो उसमें सभी को सहयोग करना चाहिए। विचार समिति जनहित के कार्य करती है इसलिए हम सब को आगे बढ़कर इस पुनीत कार्य में सहयोग करना चाहिए। पूनम मेवाती ने कहा कि कोरोना काल में समिति के द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के तहत मैंने बच्चों को निःशुल्क पढ़ाया। समिति के माध्यम से मुझे बहुत कुछ सीखने मिला। जिससे आसपास की महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई की ट्रेनिंग मैं निःशुल्क दे रही हूं। प्रभा साहू ने बताया कि समिति द्वारा 15 अगस्त को एक विशाल ध्वजारोहण किया गया था जिससे पूरे प्रदेश में एक नई पहचान मिली। इस कार्यक्रम में ऐसे लोगों का सम्मान किया गया जो कभी मंच तक पहुंच ही नहीं पाए। सरिता गुरू ने बताया कि जो कार्य जनप्रतिनिधि नहीं करवा पाते वह कार्य विचार समिति के माध्यम से हो जाता है। जैसे किसी को ब्लड की आवश्यकता है तो समिति द्वारा उपलब्ध हो जाता है। दो स्कूलों में भी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है।

उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, एड. वीनू राणा, आलोक जैन, ज्योति सराफ, रजनी जैन ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में महेश मलैया, प्रभुदयाल पटैल, शैलेष केशरवानी, सुनील सागर, संगीता मिश्रा, राजकुमार नामदेव, मनोज राय, कवि नलिन जैन, आकाश जैन हार्ड वेयर, विनीत ताले वाले, रामकृष्ण मिश्रा, राकेश बजाज, जय कुमार जैन, संदीप अग्रवाल, सविनय गुरू, संदीप जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति उपस्थित थीं।

समाज के परिवर्तन में महिला शक्ति महत्वपूर्ण: कपिल मलैया

सागर दिनकर

सागर। विचार समिति का लक्ष्य बुंदेलखंड में सुनियोजित विकास करना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार स्थापित कराना है। समाज में परिवर्तन का कार्य महिला शक्ति द्वारा ही संभव है। समाज का जो रूप बनता है वह महिलाओं से बनता है। पुरूष तो आजीविका में जुटे रहते हैं। बच्चों को संस्कार महिलाएं देती हैं। दूसरी बात विचार समिति के आज के कार्यक्रम में समाज के सबसे निम्न तबके व उच्च तबके के व्यक्ति एक साथ एक मंच पर बैठे हैं। कवि भी बैठे हैं, राजनेता, समाजसेवी, प्रमुख व्यापारी, बुजुर्ग भी बैठे हैं, बच्चे भी बैठे हैं, महिलाएं एवं पुरूष भी बैठे हैं। ऐसा मिक्चर सिर्फ विचार मोहल्ला परिवार में ही मिलेगा। यह बात विचार समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के सम्मान कार्यक्रम में कही। 125 मोहल्ला टीमों के समन्वयक व सहायक ने कपिल मलैया के जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं को सशक्त बनाने का एक प्रभावी तरीका है। महिलाओं की अधिक भागीदारी से अर्थव्यवस्था, समाज और देश को मजबूती मिलेगी। मध्य प्रदेश में रानी दुर्गावती, रानी कमलापति और अहिल्याबाई होल्कर जैसी महिला नेताओं की समृद्ध परंपरा रही है।

मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने मंच का संचालन करते हुए कहा कि समिति पर्यावरण, शिक्षा, स्वरोजगार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता आदि क्षेत्रों में सफलता पूर्वक कार्य कर रही है। शफीक खान ने कहा कि नकारात्मकता को खत्म करने के लिए सकारात्मकता की आवश्यकता होती है। शहर में 11 हजार पौधे का जंगल बनाकर समिति ने यह सिद्ध कर दिया कि वह सकारात्मकता की प्रतीक है।

प्रीति केशरवानी ने कहा कि जब कोई अच्छा कार्य करता है तो उसमें सभी को सहयोग करना चाहिए। विचार समिति जनहित के कार्य करती है इसलिए हम सब को आगे बढ़कर इस पुनीत कार्य में सहयोग करना चाहिए।

मीडिया कवरेज

विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जागरूक किया

जरूरत के अनुसार मेहनत करें : सुनीता

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार कार्यालय में महिलाओं को स्वरोजगार के लिए जागरुक करने कार्यक्रम हुआ।

समिति का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। खुद का व्यवसाय करने के लिए हमें इच्छा शक्ति को प्रबल करने की आवश्यकता है। दुनिया का कोई भी काम असंभव नहीं है। बस बात इतनी है कि जो काम जितना कठिन होगा, उसमें उतनी ही अधिक मेहनत करनी होगी। यह बात विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कही। वे शनिवार को विचार समिति और क्वेस्ट एलायंस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विचार कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जागरूक कर रही थीं।

प्रभा साहू ने बताया कि हम पहले सोचते थे कि अपना व्यवसाय स्थापित करें। लेकिन कैसे करें। जब विचार समिति से जुड़े तो समिति ने स्वरोजगार की ट्रेनिंग दी। जिस कारण आज हम ब्यूटी पार्लर सफलता पूर्वक चला रहे हैं। अनिता चौधरी बुटिक और जनरल स्टोर का व्यवसाय कर रही हैं। उन्होंने बताया कि मैं पढ़ी-लिखी नहीं हूं। मेरे घर वाले कहते थे कि तुम नहीं कर पाओगी। लेकिन मैं समिति के माध्यम से स्वरोजगार की ट्रेनिंग लेकर आज व्यवसाय चला रही हूं। क्वेस्ट एलायंस संस्थान ने अप्रैल माह में विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी 7 महिलाओं को चयनित कर स्वरोजगार बढ़ाने के लिए सिलाई, ब्यूटी पार्लर, जनरल स्टोर, कपड़े की दुकान आदि स्थापित करने के लिए 15000 रुपए की राशि दी थी। स्वावलंबी भारत अभियान के पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविन्द्र ठाकुर ने शासन एवं केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। क्वेस्ट एलायंस से ऑनलाइन माध्यम से पल्लवी, अल्पना, रोशनी ने विचार रखे। इस अवसर पर पूजा प्रजापति, उर्मिला अहिरवार, सरिता पटेल, द्रोपदी पटेल, रेखा पटेल आदि उपस्थित थीं।

मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जागरूक किया

स्वरोजगार स्थापित करने के लिए इच्छा शक्ति को प्रबल करने की आवश्यकता है : सुनीता अरिहंत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

विचार समिति और क्वेस्ट एलाइंस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के लिए स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि समिति का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि खुद का व्यवसाय करने के लिए हमें इच्छा शक्ति को प्रबल करने की आवश्यकता है। दुनिया का कोई भी काम असंभव नहीं है बस बात इतनी है कि जो काम जितना कठिन होगा उसमें उतनी ही अधिक मेहनत करनी होगी।

क्वेस्ट एलाइंस से आनलाइन माध्यम से पल्लवी, अल्पन, रोशनी ने अपने विचार रखते हुए खुशी व्यक्त की कि आपने अपना व्यवसाय शुरू किया है। प्रभा साहू ने उपस्थित महिलाओं को बताया कि हम पहले सोचते थे कि हम अपना व्यवसाय स्थापित करें लेकिन कैसे करें। जब विचार समिति से जुड़े तो समिति द्वारा स्वरोजगार की ट्रेनिंग दी गई जिस कारण आज हम ब्यूटी पार्लर सफलता पूर्वक चला रहे हैं। अनिता चौधरी बुटिक और जनरल स्टोर का व्यवसाय कर रही हैं। उन्होंने बताया कि मैं पढ़ी लिखी नहीं हूं। मेरे घर वाले कहते थे कि तुम नहीं कर पाओगी लेकिन मैं समिति के माध्यम से स्वरोजगार की ट्रेनिंग लेकर आज अपना व्यवसाय चला रही हूं। ज्ञातव्य हो कि क्वेस्ट एलाइंस संस्थान ने अप्रैल माह में विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी 7 महिलाओं को चयनित कर स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए सिलाई, ब्यूटी पार्लर, जर्नलस्टोर, कपड़े की दुकान आदि स्थापित करने के लिए 15000 रूपये की राशि दी गई थी।

स्वावलंबी भारत अभियान के पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविन्द्र ठाकुर ने स्वरोजगार हेतु मध्यप्रदेश शासन एवं केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर पूजा प्रजापति, उर्मिला अहिरवार, सरिता पटैल, द्रोपती पटैल, रेखा पटैल, मंजू रैकवार, सपना गौंड़, कल्पना पटैल, किरन अहिरवार आदि महिलाएं उपस्थित थीं।

---

4 प्रदेश टुडे सागर, रविवार, 15 अक्टूबर 2023

स्वरोजगार स्थापित करने के लिए इच्छा शक्ति को प्रबल करें : अरिहंत

सागर। विचार समिति और क्वेस्ट एलाइंस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के लिए स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि समिति का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि खुद का व्यवसाय करने के लिए हमें इच्छा शक्ति को प्रबल करने की आवश्यकता है। दुनिया का कोई भी काम असंभव नहीं है बस बात इतनी है कि जो काम जितना कठिन होगा उसमें उतनी ही अधिक मेहनत करनी होगी। क्वेस्ट एलाइंस से आनलाइन माध्यम से पल्लवी, अल्पना, रोशनी ने अपने विचार रखते हुए खुशी व्यक्त की कि आपने अपना व्यवसाय शुरू

मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जागरूक किया

स्वरोजगार स्थापित करने के लिए इच्छा शक्ति को प्रबल करने की आवश्यकता है: सुनीता अरिहंत

सागर, देशबन्धु। विचार समिति और क्वेस्ट एलाइंस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के लिए स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जागरूक किया गया। विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि समिति का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। खुद का व्यवसाय करने के लिए हमें इच्छा शक्ति को प्रबल करने की आवश्यकता है। दुनिया का कोई भी काम असंभव नहीं है बस बात इतनी है कि जो काम जितना कठिन होगा उसमें उतनी ही अधिक मेहनत करनी होगी। क्वेस्ट एलाइंस से आनलाइन माध्यम से पल्लवी, अल्पना, रोशनी ने अपने विचार रखते हुए खुशी व्यक्त की कि आपने अपना व्यवसाय शुरू किया है। प्रभा साहू ने उपस्थित महिलाओं को बताया कि हम पहले सोचते थे कि हम अपना व्यवसाय स्थापित करें लेकिन कैसे करें। जब विचार समिति से जुड़े तो समिति द्वारा स्वरोजगार की ट्रेनिंग दी गई जिस कारण आज हम ब्यूटी पार्लर सफलता पूर्वक चला रहे हैं। अनिता चौधरी बुटिक और जनरल स्टोर का व्यवसाय कर रही हैं। उन्होंने बताया कि मैं पढ़ी लिखी नहीं हूं। मेरे घर वाले कहते थे कि तुम नहीं कर पाओगी लेकिन मैं समिति के माध्यम से स्वरोजगार की ट्रेनिंग लेकर आज अपना व्यवसाय चला रही हूं। ज्ञातव्य हो कि क्वेस्ट एलाइंस संस्थान ने अप्रैल माह में विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी 7 महिलाओं को चयनित कर स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए सिलाई, ब्यूटी पार्लर, जर्नलस्टोर, कपड़े की दुकान आदि स्थापित करने के लिए 15000 रुपये की राशि दी गई थी। स्वावलंबी भारत अभियान के पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविन्द्र ठाकुर ने स्वरोजगार हेतु योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर पूजा प्रजापति, उर्मिला अहिरवार, सरिता पटैल, द्रोपती पटैल, रेखा पटैल, मंजू रैकवार, सपना गौंड़, कल्पना पटैल, किरन अहिरवार आदि महिलाएं उपस्थित थीं।

राज एक्सप्रेस

स्वरोजगार स्थापित करने के लिए इच्छा शक्ति को प्रबल करने की आवश्यकता है : सुनीता अरिहंत

सागर। विचार समिति और क्वेस्ट एलाइंस संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में विचार कार्यालय में मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं के लिए स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि समिति का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि खुद का व्यवसाय करने के लिए हमें इच्छा शक्ति को प्रबल करने की आवश्यकता है।

दुनिया का कोई भी काम असंभव नहीं है बस बात इतनी है कि जो काम जितना कठिन होगा उसमें उतनी ही अधिक मेहनत करनी होगी। ज्ञातव्य हो कि क्वेस्ट एलाइंस संस्थान ने अप्रैल माह में विचार मोहल्ला विकास से जुड़ी 7 महिलाओं को चयनित कर स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए सिलाई, ब्यूटी पार्लर, जर्नल स्टोर, कपड़े की दुकान आदि स्थापित करने के लिए 15000 रूपये की राशि दी गई थी। स्वावलंबी भारत अभियान के पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविन्द्र ठाकुर ने स्वरोजगार हेतु मध्यप्रदेश शासन एवं केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर पूजा प्रजापति, उर्मिला अहिरवार, सरिता पटैल, द्रोपती पटैल, रेखा पटैल, मंजू रैकवार, कल्पना पटैल, किरन अहिरवार आदि महिलाएं उपस्थित थीं।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship Preparation–Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
I2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

विचार समिति
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

VICHAR SAMITI
danamojo
cfpay.dmvicharsamiti@icici
UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर